छत्तीसगढ़ आयुष एवं स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय,
नाभिकीय चिकित्सा विज्ञान विभाग हेतु प्रस्ताव
संक्षेपिका

छत्तीसगढ़ की सवा दो करोड़ जनता अभी उच्च श्रेणी की चिकित्सा व्यवस्था से काफी पीछे है। वर्तमान में यहां के नागरिकों को कई बार बड़े शहरों में इसके लिये जाना पड़ता है, जिससे उन पर अत्यधिक आर्थिक भार पड़ता है । छत्तीसगढ़ में बहुतायत से पाई जाने वाली सिकल सेल की बिमारी जिसमें शरीर के सभी अंग प्रभावित होते हैं, के त्वरित निदान एवं उपचार में मदद मिल सकती है । नाभिकीय चिकित्सा विभाग के आने से छत्तीसगढ़ राज्य देश के प्रगतिशील राज्यों में आ जायेगा ।

नाभिकीय चिकित्सा में कुछ रेडियोधर्मी पदार्थों (अत्यंत ही सूक्ष्म मात्रा) के द्वारा बीमार व स्वस्थ शरीर की कार्यप्रणाली के बारे में त्वरित और सटीक जानकारी प्राप्त की जाती है जिससे कि बेहतर ईलाज की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं । आम धारणा के विपरीत यह चिकित्सा प्रणाली अत्यंत ही सस्ती और सुरक्षित है ।

नाभिकीय चिकित्सा में विभिन्न अंगों में आई विकृतियां और उनकी कार्य क्षमता के बारे में सही जानकारी एवं अवयव संरचना के बारे में पूर्ण जानकारी मिल जाती है । अन्य परीक्षणों में जानकारी में बीमारी बढ़ने पर मिलती है परंतु नाभिकीय चिकित्सा में रोगों के कारण शरीर में सूक्ष्मतम परिवर्तन की जानकारी भी मिल जाती है । इसका सबसे ज्यादा फायदा कैंसर के निदान और उपचार में होता है । यह प्रणाली आनुवांशिक रोगों के अनुसंधान के लिये भी महत्वपूर्ण है ।

नाभिकीय चिकित्सा विभाग, पं.जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय में ही होना उचित रहेगा क्योंकि इस संस्थान में पहले से ही क्षैत्रीय कैंसर संस्थान और बायोकेमिस्ट्री का उन्नत विभाग कुशलता से कार्य कर रहा है। इस नाभिकीय चिकित्सा विभाग के होने से इन विभागों की कार्यकुशलता में प्रगति होगी । इस अस्पताल में वर्ष में लगभग 2 लाख 80 हजार मरीज देखे जाते हैं व 40 हजार से ज्यादा मरीज भर्ती होते हैं ।

रायपुर इस प्रदेश की राजधानी होने के साथ ही मुख्य शहरों से वायु मार्ग से जुड़ा हुआ है जिससे रेडियोधर्मी पदार्थों जो कि तुरंत ही क्षय हो जाते हैं, के त्वरित आवक में आसानी होगी । अस्पताल का कैंसर चिकित्सा विभाग में अन्य मशीने होने के कारण पहले से ही रेडियोधर्मी अवयवों के उपयोग और अपशिष्ट प्रबंधन किया जा रहा है और सुरक्षा के उपाय किये जा रहे हैं ।

इसके अतिरिक्त अस्पताल में नाभिकीय चिकित्सा विभाग हेतु स्थान चिन्हित व AERB द्वारा अनुमोदित भी है ।अत: इस विभाग की स्थापना पं.जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय में उचित व तर्कसंगत है । इस विभाग की स्थापना हेतु अनुमानित व्यय निम्नानुसार अनुमानित है ।

	बजट	अनुमानित व्यय
1	**उपकरण (SPECT CT gamma camera, RIA equipment)**	**4,04,50,000**
2	**निर्माण कार्य व आंतरिक सज्जा**	**32,00,000**
3	**रेडियोधर्मी पदार्थ व किट इत्यादि क्रय (प्रथम वर्ष हेतु)**	**39,00,000**
4	**प्रथम वर्ष के वेतन का व्यय**	**71,35,858**
5	**अन्य अचिन्हित व्यय**	**5,00,000**
	कुल स्थापना व्यय	**5,51,85,858**

आवर्ती व्यय (रेडियोधर्मी आइसोटोप,किट, वेतन ,वार्षिक रखरखाव आदि पर व्यय)

रू. 1,50,00,000 प्रति वर्ष